मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल

(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)

E-NEWS LETTER

OCTOBER - DECEMBER

VOL: 2024-IV

HTTPS://MPBOU.EDU.IN

सप्तम् दीक्षांत समारोह कार्यक्रम आयोजन
दिनांकः **01** अक्टूबर **2024**

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल

(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)

E-NEWS LETTER

OCTOBER - DECEMBER

VOL: 2024-IV

HTTPS://MPBOU.EDU.IN

सप्तम् दीक्षांत समारोह कार्यक्रम आयोजन
दिनांकः **01** अक्टूबर **2024**

सत्यं वद। धर्मं चर। स्वाध्यायान् मा प्रमदः।
मातृदेवो भव। पितृदेवो भव। आचार्यदेवो भव। अतिथिदेवो भव।
यान्यनवद्यानि कर्माणि। तानि सेवितव्यानि। नो इतराणि।
यान्यस्माकं सुचरितानि तानि त्वयोपास्यानि। नो इतराणि।
एष आदेशः। एष उपदेशः। एतदनुशासनम्। एवमुपासितव्यम्।

"Speak the truth. Abide by your dharma.
Never be idle in your studies.
Know your mother to be like a goddess, Know your father to be like a god,
Know your teacher to be like a god, Know a guest to be like a god"
O disciples! Only do those actions which are in accordance with the shastras and society.
Do not perform actions that oppose this.
Moreover, only adopt our good conduct, nothing else.
This is our final command, This is the teaching. Go forth, live according to this."

(Honoris Causa) **मानद उपाधि अलंकृत**

पद्म विभूषण डॉ. अनिल काकोडकर
कुलाधिपति
होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान, मुंबई

पद्मश्री डॉ. अशोक झुनझुनवाला
संस्थान प्रोफेसर
आईआईटी चेन्नई

डॉ. आतिश श्रीपाद दाभोलकर
निदेशक, आईसीटीपी, ट्राइस्टे, इटली
सहायक महानिदेशक, यूनेस्को

डॉ. जतिंदर वीर यखमी
पूर्व एसोसिएट, निदेशक
भौतिकी समूह, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी), मुंबई

प्रोफेसर नागेश्वर राव
पूर्व कुलपति
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

डॉ. ओम प्रकाश शर्मा
वरिष्ठ सलाहकार एवं प्रमुख, जराचिकित्सा
इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल

(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)

E-NEWS LETTER

OCTOBER - DECEMBER

VOL: 2024-IV

HTTPS://MPBOU.EDU.IN

सप्तम् दीक्षांत समारोह कार्यक्रम आयोजन
दिनांकः **01** अक्टूबर **2024**

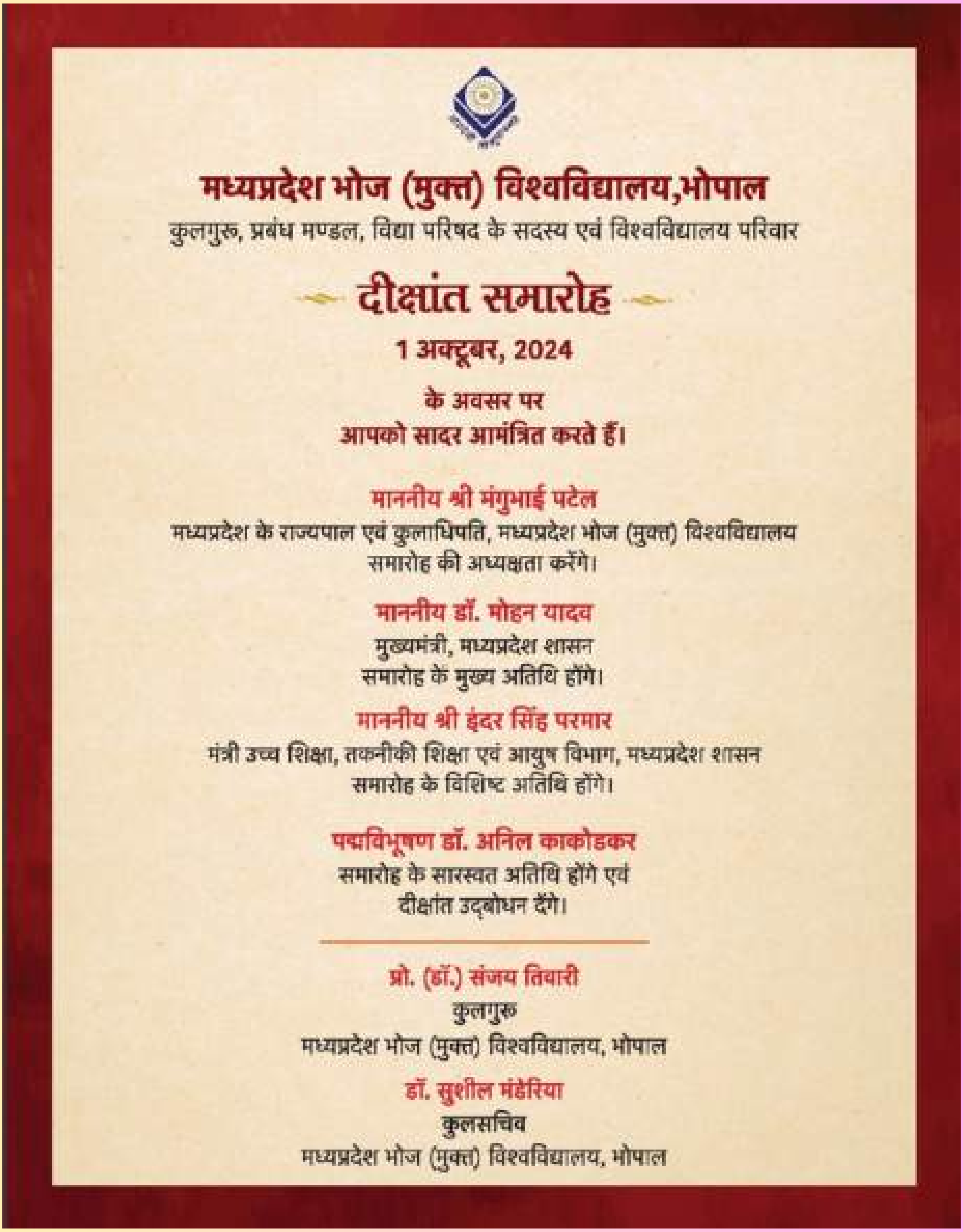

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय,भोपाल

कुलगुरू, प्रबंध मण्डल, विद्या परिषद के सदस्य एवं विश्वविद्यालय परिवार

दीक्षांत समारोह

1 अक्टूबर, 2024

के अवसर पर
आपको सादर आमंत्रित करते हैं।

माननीय श्री मंगुभाई पटेल
मध्यप्रदेश के राज्यपाल एवं कुलाधिपति, मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय
समारोह की अध्यक्षता करेंगे।

माननीय डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन
समारोह के मुख्य अतिथि होंगे।

माननीय श्री इंदर सिंह परमार
मंत्री उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष विभाग, मध्यप्रदेश शासन
समारोह के विशिष्ट अतिथि होंगे।

पद्मविभूषण डॉ. अनिल काकोडकर
समारोह के सारस्वत अतिथि होंगे एवं
दीक्षांत उद्बोधन देंगे।

प्रो. (डॉ.) संजय तिवारी
कुलगुरू
मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

डॉ. सुशील मंडेरिया
कुलसचिव
मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)

E-NEWS LETTER

OCTOBER - DECEMBER

VOL: 2024-IV

HTTPS://MPBOU.EDU.IN

सप्तम् दीक्षांत समारोह कार्यक्रम आयोजन
दिनांकः 01 अक्टूबर 2024

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल ने आज अपने 34वें स्थापना दिवस एवं सप्तम दीक्षांत समारोह का आयोजन सफलता पूर्वक सम्पन्न किया। कार्यक्रम का आयोजन कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार (मिंटो हॉल) में किया गया। सप्तम दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता मध्य प्रदेश के राज्यपाल एवं कुलाधिपति मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय श्री मंगू भाई पटेल द्वारा की गई। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री इंदर सिंह परमार मंत्री उच्च शिक्षा तकनीकी शिक्षा एवं आयुष विभाग मध्य प्रदेश शासन उपस्थित रहे।

भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के सप्तम दीक्षांत समारोह में सारस्वत अतिथि के रूप में प्रसिद्ध परमाणु वैज्ञानिक पद्म विभूषण श्री अनिल काकोडकर उपस्थित रहे साथ ही उनके द्वारा दीक्षांत उद्बोधन दिया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा 6 प्रसिद्ध विद्वानों को मानद उपाधि से नवाजा गया।

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल

(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)

E-NEWS LETTER

OCTOBER - DECEMBER

VOL: 2024-IV

HTTPS://MPBOU.EDU.IN

सप्तम् दीक्षांत समारोह कार्यक्रम आयोजन
दिनांक: **01** अक्टूबर **2024**

इस कड़ी में सर्वप्रथम पद्म विभूषण, परमाणु वैज्ञानिक डॉ. अनिल काकोडकर को उनके विज्ञान क्षेत्र मे उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉक्टर ऑफ़ साइंस की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

डॉ. अनिल काकोडकर भारत के एक प्रमुख परमाणु वैज्ञानिक और इंजीनियर हैं, जिनका योगदान भारत की परमाणु शक्ति और ऊर्जा के विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उनका जन्म 11 नवंबर 1943 को बड़वानी, मध्य प्रदेश में हुआ था। उन्होंने भारतीय परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष के रूप में और भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC) के निदेशक के रूप में सेवाएँ दीं।

डॉ. काकोडकर ने भारत को परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। वे उन प्रमुख वैज्ञानिकों में से एक थे, जिन्होंने 1998 में पोखरण में किए गए परमाणु परीक्षणों में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा के उपयोग और देश की ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न योजनाओं पर काम किया।

उन्हें पद्म विभूषण, पद्म भूषण, और पद्म श्री जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। उनके नेतृत्व में भारत ने थोरियम आधारित परमाणु ऊर्जा तकनीक में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है।

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल

(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)

E-NEWS LETTER

OCTOBER - DECEMBER

VOL: 2024-IV

HTTPS://MPBOU.EDU.IN

सप्तम् दीक्षांत समारोह कार्यक्रम आयोजन
दिनांकः **01** अक्टूबर **2024**

अगला सम्मान पद्मश्री डॉ अशोक झुनझुनवाला जो की एक प्रमुख वैज्ञानिक और शिक्षाविद हैं को उनके इलेक्ट्रॉनिक और दूरसंचार के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए डॉक्टर ऑफ़ लेटर्स की मानद उपाधि से अलंकृत किया गया।

डॉ.अशोक झुनझुनवाला मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार के क्षेत्र में अपने उल्लेखनीय योगदान के लिए जाने जाते हैं। उनका जन्म 22 जून 1953 को हुआ था और वे वर्तमान में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) मद्रास के प्रोफेसर हैं। उन्होंने भारत में दूरसंचार और इंटरनेट सेवाओं को सुलभ और किफायती बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

डॉ.झुनझुनवाला ने ग्रामीण क्षेत्रों में दूरसंचार क्रांति लाने और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए तकनीकी समाधान विकसित करने पर जोर दिया है। वे भारत की स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने और युवाओं के बीच नवाचार को प्रेरित करने के लिए भी सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में, कई स्टार्टअप्स और नवाचार केंद्र स्थापित किए गए हैं जो उभरती तकनीकों पर काम कर रहे हैं।

डॉ.अशोक झुनझुनवाला को उनके कार्यों के लिए 2002 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। उन्होंने सस्ती इलेक्ट्रिक वाहनों और नवकरणीय ऊर्जा स्रोतों के विकास में भी प्रमुख योगदान दिया है, जिससे भारत के ऊर्जा क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन हो रहे हैं। उन्हें 'दइकोसिस्टम एनेबलर' पुरस्कार एवं बिजनेसलाइन आइकॉनिक चेंजमेकर अवॉर्ड 2024 से सम्मानित किया गया हैं।

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल
(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)
E-NEWS LETTER
OCTOBER - DECEMBER
HTTPS://MPBOU.EDU.IN
VOL: 2024-IV

सप्तम् दीक्षांत समारोह कार्यक्रम आयोजन
दिनांकः **01** अक्टूबर **2024**

प्रसिद्ध जेरियोट्रिक्स डॉ. ओम प्रकाश शर्मा द्वारा वृद्धावस्था संबंधी बीमारियों के इलाज में काफी महत्वपूर्ण कार्य किया है। उन्हें उनके अतुलनीय योगदान के लिए डॉ. ऑफ लेटर्स की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

डॉ.ओमप्रकाश शर्मा अपोलो अस्पताल में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। जेरियाट्रिक्स चिकित्सा की वह शाखा है, जो विशेष रूप से बुजुर्गों की देखभाल, उनके स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों, और वृद्धावस्था में उत्पन्न होने वाली बीमारियों के उपचार पर केंद्रित होती है।

डॉ.शर्मा ने बुजुर्ग रोगियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने और उनमें उम्र से संबंधित समस्याओं का निदान और उपचार करने में विशेष योग्यता प्राप्त की है। उनकी विशेषज्ञता में डिमेंशिया, अल्जाइमर, पार्किंसन, और अन्य वृद्धावस्था संबंधी बीमारियों का इलाज शामिल है।

अपोलो अस्पताल में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने न केवल रोगियों के इलाज में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, बल्कि वृद्धावस्था चिकित्सा के क्षेत्र में नए अनुसंधानों और नवाचारों को भी बढ़ावा दिया है। उनकी देखरेख में बुजुर्ग रोगियों को समर्पित, व्यक्तिगत और सहानुभूतिपूर्ण देखभाल प्राप्त होती है, जो उनकी जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में सहायक है।

डॉ.ओमप्रकाश शर्मा को उनके काम के लिए व्यापक मान्यता प्राप्त है और वे बुजुर्ग चिकित्सा के क्षेत्र में एक अग्रणी नाम हैं।

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल

(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)

E-NEWS LETTER

OCTOBER - DECEMBER

VOL: 2024-IV

HTTPS://MPBOU.EDU.IN

सप्तम् दीक्षांत समारोह कार्यक्रम आयोजन
दिनांकः **01** अक्टूबर **2024**

डॉ. नागेश्वर राव पूर्व कुलपति इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, दिल्ली को उनके दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान और उल्लेखनीय प्रयासों के लिए डॉक्टर ऑफ़ डिस्टेंस एजुकेशन की मानद उपाधि से नवाजा गया।

डॉ. राव वे उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और प्रशासक हैं, जिन्होंने भारत में दूरस्थ शिक्षा और मुक्त शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में, इग्नू ने डिजिटल लर्निंग, ई-लर्निंग प्लेटफार्म, और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा को सुलभ और व्यापक बनाने के कई नए पहल किए।

डॉ.नागेश्वर राव ने अपनी शैक्षणिक यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण शैक्षिक पदों पर कार्य किया है। वे उत्तरप्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति भी रह चुके है। उन्होंने न केवल इग्नू के संचालन को सुदृढ़ किया, बल्कि गुणवत्ता-आधारित शिक्षा और शोध को बढ़ावा देने के लिए नई नीतियों को भी लागू किया। उनके प्रयासों से इग्नू ने बड़ी संख्या में छात्रों को उनकी सुविधा के अनुसार शिक्षा प्राप्त करने के अवसर प्रदान किए हैं।

डॉ.राव ने कई शोध पत्र और लेख प्रकाशित किए हैं और उच्च शिक्षा, प्रबंधन और दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें विभिन्न मंचों पर सम्मानित भी किया गया है। उनका समर्पण और नेतृत्व इग्नू को विश्व स्तर पर एक अग्रणी मुक्त विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित करने में सहायक रहा है।

सप्तम् दीक्षांत समारोह कार्यक्रम आयोजन
दिनांकः **01** अक्टूबर **2024**

इसी तारतम्य में अगली उपाधि प्रसिद्ध भौतिक वैज्ञानिक डॉ. अतिश दाभोलकर को उनके सैद्धांतिक भौतिकी के क्षेत्र अतुलनीय योगदान के लिए डॉक्टर ऑफ़ साइंस की मानद उपाधि से विभूषित किया गया।

डॉ.अतिश दाभोलकर एक विश्वप्रसिद्ध भारतीय सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी हैं, जो स्ट्रिंग थ्योरी, क्वांटम ग्रेविटी और ब्लैक होल फिजिक्स के क्षेत्र में अपने उल्लेखनीय कार्य के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने उच्च ऊर्जा भौतिकी और ब्रह्मांड विज्ञान के क्षेत्र में अत्यधिक महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डॉ. दाभोलकर वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय सैद्धांतिक भौतिकी केंद्र (ICTP), ट्राइस्टे, इटली के निदेशक हैं।

उनकी शिक्षा का प्रारंभिक चरण मुंबई में हुआ और बाद में उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) कानपुर से स्नातक की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद, उन्होंने प्रिंसटन विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। स्ट्रिंग थ्योरी और ब्लैक होल्स पर उनके शोध ने विज्ञान के इन क्षेत्रों में नई दृष्टिकोण प्रस्तुत किए हैं।

डॉ.दाभोलकर का प्रमुख कार्य यह दर्शाता है कि ब्लैक होल्स की आंतरिक संरचना और क्वांटम यांत्रिकी के सिद्धांतों को एक साथ कैसे समझा जा सकता है। वे भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम ऊंचा कर चुके हैं। उन्होंने अपने जीवनकाल में कई वैज्ञानिक पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए हैं और वैश्विक मंच पर विज्ञान के क्षेत्र में नेतृत्व करने के लिए पहचाने जाते हैं।

सप्तम् दीक्षांत समारोह कार्यक्रम आयोजन
दिनांकः **01** अक्टूबर **2024**

मानद उपाधि की श्रृंखला में ही प्रसिद्ध भौतिक वैज्ञानिक एवं पदार्थ विज्ञान के विशेषज्ञ डॉ. जतिंदर वीर यख्मी को नैनो टेक्नोलॉजी, नैनो सामग्री और ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदानों के लिए डॉक्टर ऑफ़ साइंस की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

डॉ.जतिंदर वीर यख्मी जो भौतिकी और पदार्थ विज्ञान (मैटेरियल साइंस) के क्षेत्र में अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाने जाते हैं। उनका शोध मुख्य रूप से नैनो टेक्नोलॉजी, नैनो सामग्री और ऊर्जा से संबंधित विषयों पर केंद्रित है। उन्होंने भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC), मुंबई में एक वरिष्ठ वैज्ञानिक के रूप में कार्य किया है और विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

डॉ.यख्मी ने नैनो-सामग्री और नैनो-कणों के विकास के क्षेत्र में नए आयाम जोड़े हैं, जिनका उपयोग ऊर्जा उत्पादन, स्टोरेज और पर्यावरणीय अनुप्रयोगों में किया जाता है। उनके शोध का एक महत्वपूर्ण हिस्सा ऊर्जा के नवकरणीय स्रोतों को अधिक प्रभावी और सुलभ बनाने के तरीकों को विकसित करना रहा है।

इसके अलावा, डॉ. जतिंदर वीर यख्मी ने वैज्ञानिक लेखन के क्षेत्र में भी योगदान दिया है और उन्होंने कई प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में अपने शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। वे कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलनों में अपने शोध का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और अपने विषय में एक अग्रणी विशेषज्ञ माने जाते हैं। डॉ.यख्मी विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में युवाओं को प्रेरित करने और उन्हें नवाचार की दिशा में अग्रसर करने के लिए भी जाने जाते हैं।

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल

(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)

E-NEWS LETTER

OCTOBER - DECEMBER

VOL: 2024-IV

HTTPS://MPBOU.EDU.IN

सप्तम् दीक्षांत समारोह कार्यक्रम आयोजन
दिनांकः 01 अक्टूबर 2024

इस मौके पर माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा विभिन्न संकायों के अलग-अलग पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च प्रदर्शन करने वाले 27 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को राजा भोज उत्कृष्टता पदक प्रदान किए गए। साथ ही माननीय कुलाधिपति महोदय की गरिमामयी उपस्थिति में स्नातक एवम स्नातकोत्तर के सभी संकायों के ऊर्जावान उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। जिसमे स्नातक के 162 एवम स्नातकोत्तर के 169 से अधिक विद्यार्थियों ने डिग्री प्राप्त की।

सप्तम् दीक्षांत समारोह कार्यक्रम आयोजन
दिनांकः **01** अक्टूबर **2024**

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के इस सप्तम दीक्षांत समारोह में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलगुरू, कुलसचिव एवं अन्य वरिष्ठ जन भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. संजय तिवारी ने विद्यार्थियों को शपथ दिलाई और प्रेरणादायक उद्धबोधन देते हुए कहा कि, मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने वाला देश का अग्रणी मुक्त विश्वविद्यालय है। उन्होंने कहा कि, सिकल सेल एनीमिया के निवारण हेतु विश्वविद्यालय ने धार जिला के पांच गांवों को गोद लिया है।

डॉ. तिवारी ने बताया कि, विश्वविद्यालय में 50 से ज्यादा पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। जिममें विशेष रूप से विज्ञान पर आधारित विभिन्न प्रकार के कोर्स जैसे साइबर सिक्योरिटी, डाटा साइंसेज लॉजिस्टिक मैनेजमेंट, एनर्जी मैनेजमेंट के साथ-साथ मूल्य बोध कराने वाले पाठ्यक्रम रामचरितमानस में डिप्लोमा और गीता में डिप्लोमा शामिल है। यह पाठ्यक्रम डिस्टेंस एजुकेशन ब्यूरो यूजीसी, एआईसीटीई, रिहैब्लिटेशन काउंसिल आफ इंडिया और एनसीटीई से मान्यता प्राप्त है।

डॉ. तिवारी ने कहा कि, विभिन्न रोजगार परक कार्यक्रम विश्वविद्यालय में तैयार किए गए हैं। जिनसे छात्रों को जीविका उपार्जन करने में सहायता होगी। उन्होंने कहा कि, विश्वविद्यालय ने लगभग 5.5 लाख विद्यार्थियों का एबीसी पहचान खाते बनवाए हैं। उन्होंने कहा कि, विश्वविद्यालय शीघ्र ही मध्य प्रदेश की पहली डिजिटल यूनिवर्सिटी बनने जा रही है। इससे संबंधित प्रस्ताव विश्वविद्यालय ने शासन के समक्ष प्रस्तुत कर दिया है। उन्होंने विद्यार्थियों का आवाहन करते हुए कहा कि, आप विश्वविद्यालय के दूत हैं। आप जहां भी रहें अपने परिवार, अपने समाज, अपनी संस्था और राष्ट्र की कीर्ति बढ़ाएं।

सप्तम् दीक्षांत समारोह कार्यक्रम आयोजन
दिनांकः **01** अक्टूबर **2024**

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि, मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय ने आज अपने दीक्षांत समारोह में बहुत बड़ी-बड़ी हस्तियों को मानद उपाधि प्रदान की है। इससे इन हस्तियों के माध्यम से मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय की ख्याति और बढ़ेगी। उन्होंने राजा भोज को याद करते हुए कहा कि राजा भोज ने जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया जिसका प्रमाण यह है कि उन्होंने भोपाल में एक बड़े तालाब का निर्माण करवाया था। जो आज भी मौजूद है। राजा भोज कई ग्रंथों के रचयिता हैं। उन्होंने धार में संस्कृत का एक विश्वविद्यालय स्थापित किया जिसे भोजशाला के नाम से जाना जाता है। जिसमें देश ही नहीं विदेशों से भी विद्यार्थी संस्कृत की शिक्षा ग्रहण करने आते थे। उन्होंने उच्च शिक्षा विभाग के संदर्भ में कहा कि, मध्य प्रदेश भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए तेजी से कार्य कर रहा है।

विश्वविद्यालय के स्नातक युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि, भारत में कृतज्ञता की परंपरा रही है जिससे हमें कुछ मिलता है हमें उसके प्रति कृतज्ञ रहना चाहिए, इसका भाव हमारी संस्कृति में मिलता है। इस संदर्भ में उन्होंने तीन उदाहरण देते हुए कहा वृक्षों से हमें प्राणवायु मिलती है और भारतीय संस्कृति में वृक्षों की पूजा की जाती है। दूसरा उदाहरण उन्होंने जल से संबंधित दिया उन्होंने कहा है कि, जलप्रदाय करने वाली नदियां, तालाब ,पोखर आदि बहुत महत्वपूर्ण है और हमारी संस्कृति में इन सब जल स्रोतों की पूजा करने की परंपरा पाई जाती है। तीसरा उदाहरण उन्होंने सूर्य का दिया उन्होंने कहा कि, सूर्य ही पृथ्वी पर समस्त ऊर्जा का स्रोत है और इस ऊर्जा के स्रोत के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए भारतीय संस्कृति में सूर्य की पूजा का विधान है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि, इस कृतज्ञता के भाव को हमें समाज में लाना होगा।

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल

(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)

E-NEWS LETTER

OCTOBER - DECEMBER

VOL: 2024-IV

HTTPS://MPBOU.EDU.IN

सप्तम् दीक्षांत समारोह कार्यक्रम आयोजन
दिनांकः **01** अक्टूबर **2024**

उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों और शिक्षा प्रशासकों का आवाहन करते हुए कहा कि, राष्ट्रीय शिक्षा नीति में हमें इस अभियान को मूर्त रूप देने में एक साथ मिलकर कार्य करना होगा। हमें एक साथ मिलकर भारत को विश्व गुरु और विकसित भारत बनाने की दिशा में कार्य करना होगा।

प्रख्यात परमाणु वैज्ञानिक डॉ अनिल काकोडकर ने विश्वविद्यालय के पुराने समय को याद करते हुए कहा कि, एक समय में विश्व प्रसिद्ध चेन्नई मैथमेटिकल इंस्टीट्यूट के विद्यार्थी यहां से डिग्री प्राप्त किया करते थे। उन्होंने कहा कि, पूरी दुनिया आपके लिए चुनौतियां और अवसरों से भरी पड़ी है। आपके सभी सपने पूरे हों ऐसी कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि, आपका अभिभावकों के कई वर्षों की कड़ी मेहनत और पालन का नतीजा आप आज पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि, भारत अधिक जनसंख्या वाला देश है और विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसके बावजूद उन्होंने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि, हमारे प्रति व्यक्ति आय विश्व के कई देशों के मुकाबले बहुत कम है। हमारे जीवन शैली विकसित देशों के बराबर करने के लिए हमारे प्रति व्यक्ति आय को वर्तमान से लगभग 7 गुना करना होगा।

सप्तम् दीक्षांत समारोह कार्यक्रम आयोजन
दिनांकः **01** अक्टूबर **2024**

उन्होंने कहा कि, शिक्षा व्यवस्था में हमें ग्रामीण परिवेश और शहरी परिवेश की संसाधनों की उपलब्धता और शिक्षा की पहुंच की जो बहुत बड़ी खाई है। इसको पाटने की जरूरत है। डॉ. काकोडकर ने कहा कि, हमें युवाओं को तकनीक आधारित ज्ञान देकर उन्हें तकनीकी सामान बनाने हेतु कौशल विकसित करने में सक्षम बनाना होगा। उन्होंने कहा कि, नए स्नातकों को अच्छा मानव बन के दिखाना होगा। अच्छे संस्कार और ज्ञान से परिपूर्ण बनना होगा। उन्होंने शोध पर बहुत अधिक बल देते हुए कहा कि, ज्ञान की नई-नई सीमाएं तभी पार की जा सकती है, जब हम अपनी शिक्षा व्यवस्था को शोधपरख और मूल्यवान बनाएं। तकनीक को मूल्यवान तकनीक में बदलना बहुत आवश्यक है। उन्होंने आज के नए शोधार्थियों से आवाहन करते हुए कहा कि, हमें विज्ञान और तकनीक का उपयोग समाज की समस्याओं को कैसे हल किया जाए। इसके लिए मिलकर शोध करना होगा और उन समस्याओं का समाधान खोजना होगा। आज की आधुनिक दुनिया में केवल ज्ञान प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके उपयोग को समाज और देश के कल्याण में लाना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा की कठोर श्रम का कोई पर्याय नहीं है। कठोर परिश्रम ही आपके सपनों को पूर्ण करने का मार्ग प्रशस्त करेगा देश के संदर्भ में डॉ. काकोडकर ने कहा कि, ज्ञान से हमें आत्मनिर्भरता आएगी। जैसा कि भारत ने पहले कर दिखाया है। उन्होंने बताया कि, नाभिकीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत ने विश्व के प्रतिबंधों के बावजूद अपनी नाभिकीय क्षमताओं को ऊर्जा जरूरत को हासिल करके दिखाया है और यह प्रदर्शित करता है कि, हमारे विश्वविद्यालय में किस प्रकार वैज्ञानिक शोध के लिए माहौल रहा है। विद्यार्थियों से कहा कि, आप मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के दूत हैं और आप इसका नाम अपने समाज ,देश और विश्व में फैलाएंगे । बेहतर विश्व बनाने में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

सप्तम् दीक्षांत समारोह कार्यक्रम आयोजन
दिनांकः **01** अक्टूबर **2024**

भौतिक वैज्ञानिक डॉ. आतिश दाभोलकर वर्चुअल माध्यम से इटली से जुड़े उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि, शिक्षा न केवल व्यक्ति के लिए बल्कि समाज के लिए बहुत ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि, वह अपने संस्थान में विज्ञान को मुक्त रूप से बढ़ावा देते हैं। हमारे संस्थान में कई विषयों में वैज्ञानिक शोध किया जा रहा है। हमारे संस्थान से 10,000 से अधिक वैज्ञानिक सहभागिता कर रहे हैं और शोध को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने सभी डिग्री धारी को बधाई देते हुए कहा कि, मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के यह नए स्नातक मानवीय मूल्य और भारतीय दर्शन को समस्त विश्व में फैलाएंगे ऐसी आशा करते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल मध्य प्रदेश शासन एवं कुलाधिपति मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय श्री मंगू भाई पटेल ने कहा कि, मैं आज सभी विद्यार्थी जिन्होंने अपनी डिग्री और मेडल पाए हैं उनको बधाई देता हूं। उन्होंने विशेष रूप से उनके शिक्षकों और माता-पिता को बधाई दी उन्होंने कहा कि, मां-बाप ने बड़ी कठिनाइयों से आपका पालन पोषण किया है। गुरु ने बड़े मन से आपको सिखाया है। इनको आपको हमेशा याद रखना है। उन्होंने यह भी कहा कि, जिन महान विभूतियां को आज मानद उपाधि प्राप्त हुई है, आज उनके माता-पिता और गुरु भी गौरवान्वित हुए होंगे। उन्होंने कहा कि, दूरस्थ शिक्षा पद्धति जीविका उपार्जन के साथ-साथ जीवन पर्यंत शिक्षा प्राप्त करने का प्रमुख साधन है। मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलपति ने पांच गांव में शासन की योजनाओं को लाभ दिलाने का संकल्प लिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सफलता के लिए दूरस्थ शिक्षा पद्धति के स्वरूप को गरीब और वंचित लोगों पर केंद्रित करना होगा। हमें विद्यार्थियों को ज्ञान और कौशल उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा चलाए गए जा रहे रामचरितमानस और गीता पर आधारित पाठ्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि, यह पाठ्यक्रम समाज में नैतिक शिक्षा फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को विशेष रूप से कहा कि, आपको अपने मां-बाप को नहीं भूलना है और ऐसा कोई कार्य नहीं करना है, जिससे आपको अपनी मातृभूमि को नुकसान हो।

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल

(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)

E-NEWS LETTER

OCTOBER - DECEMBER

VOL: 2024-IV

HTTPS://MPBOU.EDU.IN

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के सप्तम दीक्षांत समारोह कार्यक्रम में डॉ रतन सूर्यवशी ने उद्घोषक के रूप में मंच संभाला । दीक्षांत कार्यक्रम का मंच संचालन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ सुशील मंडेरिया द्वारा किया गया ।

राजधानी

आजीवन शिक्षा पाने का महत्वपूर्ण साधन है दूरस्थ शिक्षा पद्धति

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल
(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)
E-NEWS LETTER
OCTOBER - DECEMBER
VOL: 2024-IV
HTTPS://MPBOU.EDU.IN

सप्तम् दीक्षांत समारोह कार्यक्रम आयोजन
दिनांकः **01** अक्टूबर **2024**

कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मांडेरिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी शिक्षक एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे साथ ही कार्यक्रम में भारी संख्या में विद्यार्थी एवं उनके परिजनों ने शिरकत की।

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल

(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)

E-NEWS LETTER

OCTOBER - DECEMBER

VOL: 2024-IV

HTTPS://MPBOU.EDU.IN

नवदुनिया

आजीवन शिक्षा पाने का महत्वपूर्ण साधन है दूरस्थ शिक्षा पद्धति

समारोह ● भोज विवि के दीक्षा समारोह में छह मानद उपाधि और 27 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया

परमाणु ऊर्जा में अधिक सक्षम है भारत अब तकनीक में आत्मनिर्भरता की बारी

भोज विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 27 विद्यार्थियों को मिला उत्कृष्ट पदक, यूजी-पीजी के 331 को उपाधि

माता-पिता और गुरुजनों के योगदान और तपस्या के प्रति कृतज्ञता का भाव रखें : राज्यपाल पटेल

जनजातीय गौरव दिवस दिनांक: 15/11/2024

मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग से प्राप्त निर्देशों के अनुसार, मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय ने 15 नवंबर, 2024 को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती समारोह का सीधा प्रसारण आयोजित किया। मुख्य कार्यक्रम शहडोल में सुबह 11:00 बजे आयोजित किया गया और इसमें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

लाइव प्रसारण एमपीबीओयू के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित किया गया, जहां विश्वविद्यालय के छात्र, संकाय और कर्मचारी सदस्य मौजूद थे। इस पहल का उद्देश्य विश्वविद्यालय समुदाय के बीच आदिवासी इतिहास, संस्कृति और योगदान के बारे में जागरूकता और समझ को बढ़ावा देना था।

जनजातीय गौरव दिवस दिनांक: 15/11/2024

"भारत के लिए भारत का सामाजिक विज्ञान"
नई शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन
दिनांक: 22 एवं 23 नवंबर, 2024

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 22 एवं 23 नवंबर, 2024 को किया गया। कार्यशाला का विषय है- "Samaj vigyan of Bharat for Bharat" with special reference to NEP- 2020 and curriculum of sociology था। समाज विज्ञान विषय पर आयोजित इस कार्यशाला कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित माननीय श्री इंदर सिंह परमार, उच्च शिक्षा मंत्री, मध्य प्रदेश शासन द्वारा किया गया।

इस अवसर पर सारस्वत अतिथि के रूप में प्रो. वी.पी. कृष्ण भट्ट, संरक्षक, राष्ट्रीय समाज विज्ञान परिषद, नई दिल्ली उपस्थित रहें।। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. विघ्नेश भट्ट, उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय समाज विज्ञान परिषद, नई दिल्ली भी उपस्थिति रहे। इस अवसर पर उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता प्रो. संजय तिवारी, कुलगुरु, मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय ने की। साथ ही इस मौके पर कार्यक्रम के संयोजक एवं विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील कुमार मंडेरिया भी उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)

E-NEWS LETTER

OCTOBER – DECEMBER

VOL: 2024-IV

HTTPS://MPBOU.EDU.IN

"भारत के लिए भारत का सामाजिक विज्ञान"
नई शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन
दिनांक: 22 एवं 23 नवंबर, 2024

विश्वविद्यालय गौरवान्वित है कि, इस अवसर पर पूरे देश के महान शिक्षाविद समाज शास्त्रियों कार्यक्रम का हिस्सा बने। उद्घाटन सत्र के पश्चात टेक्निकल सत्रों की शुरुआत हुई। जिसमें अनेक समाजशास्त्रियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। समाज विज्ञान पर आयोजित इस कार्यशाला में लगभग 80 से ज्यादा प्रतिभागी ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से सम्मिलित हुए।

"भारत के लिए भारत का सामाजिक विज्ञान"
नई शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन
दिनांक: 22 एवं 23 नवंबर, 2024

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में श्री इंदर सिंह पर उच्च शिक्षा मंत्री, मध्य प्रदेश शासन उपस्थित रहे। उन्होंने अपने विचाओं से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया उन्होंने अपनी बात कुछ इस तरह कही कि, भारत की गृहणियों की रसोई में कोई तराजू नहीं होता है, गृहिणियों को भोजन निर्माण के लिए किसी संस्थान में अध्ययन करने की आवश्यकता नहीं होती है। भारतीय गृहिणियों में रसोई प्रबंधन का उत्कृष्ट कौशल, नैसर्गिक एवं पारम्परिक रूप से विद्यमान है। भारत की रसोई, विश्वमंच पर प्रबंधन का उत्कृष्ट आदर्श एवं श्रेष्ठ उदाहरण है। भारतीय समाज में ऐसे असंख्य संदर्भ, परम्परा के रूप में प्रचलन में हैं। हमारे समाज में विद्यमान ज्ञान पर, गर्व के भाव के साथ अध्ययन, शोध एवं अनुसंधान करने की आवश्यकता है।

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल

(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)

E-NEWS LETTER

OCTOBER - DECEMBER

VOL: 2024-IV HTTPS://MPBOU.EDU.IN

"भारत के लिए भारत का सामाजिक विज्ञान"
नई शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन
दिनांक: 22 एवं 23 नवंबर, 2024

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. विघ्नेश भट्ट ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुझे अत्यंत खुशी हुई यह जान कर कि, मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री कोई भी पाठ्यक्रम की पुस्तकों को स्वयं पढ़ने के बाद ही संस्थाओं को उपलब्ध कराते हैं। यह दर्शाता है कि, मध्य प्रदेश अपने विद्यार्थियों के भविष्य को प्रति कितना सजग है। डॉ. विघ्नेश ने कहा कि, सोशल साइंस का उदय भारत से ही हुआ है और अन्य भाषा में कहा जाए तो सोशल साइंस भारत से भारत के लिए है। उन्होंने सभा में उपस्थित जनों को बहुत से उदाहरणों के साथ अपनी बात व्यक्त की।

साथ ही उन्होंने कहा कि, मैंने अनेक देशों का भ्रमण किया है और हजारों समाजशास्त्रियों से मिला हूं। पर उनमें से कुल 48 समाजशास्त्री हैं जो मुझे व्यक्तिगत रूप से याद हैं। उनमें से प्रसिद्ध समाजशास्त्री मुखोपाध्याय के साथ का अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कुछ अन्य महान शिक्षाविदों के नाम लेते हुए कहा कि, सभी समाजशास्त्रियों ने अपने अपने अनुभवों के आधार पर सोशियोलॉजी पर अपने विचार व्यक्त किये हैं। सोशियोलॉजी विषय बहुत बृहद है। इसपे जितनी चर्चा की जाए कम है । डॉ. भट्ट ने अपने उद्बोधन में गीता और रामायण जैसे पवित्र ग्रंथों के श्लोकों का भी वर्णन किया।

"भारत के लिए भारत का सामाजिक विज्ञान"
नई शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन
दिनांक: 22 एवं 23 नवंबर, 2024

कार्यक्रम के सारस्वत अतिथि प्रो. पी.वी. कृष्ण भट्ट ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि, मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार मेरे काफी करीबी हैं में इन्हें काफी लम्बे अरसे से जनता हूं, इसी लिए में यह बहुत ही विशवास के साथ कह सकता हूं कि, मध्य प्रदेश की शिक्षा बहुत ही उचित हाथों में है। उन्होंने कहा हम जो समाज विज्ञान से संबंधित पाठ्यक्रम पढ़ा रहे हैं वह सभी पश्चिम से लिया हुआ है। हमें भारत से जुड़ी सोशियोलॉजी ऐसा छोटे बड़े सेमिनार के माध्यम से प्रचलित करने की आवश्यकता है। हमने इतिहास में जो भी पाठ्यक्रम या पाठयपुस्तकें पढ़ी हैं वे सभी पश्चिम उद्देश्यों से भरी हुई रही हैं। उन्होंने कहा कि, पश्चिम में जो सोशल साइंस तैयार हुआ उसके अनुसार ही हमारे पाठ्यक्रम तैयार किए गए। यह मेरा व्यक्तिगत अनुभव रहा है कि, अर्थशास्त्र के बारे में हो या समाजशास्त्र के बारे में जो भी विचार और चर्चा हमारे देश में हुई उसकी कोई भी कीमत नहीं आंकी गई।

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)

E-NEWS LETTER

OCTOBER - DECEMBER

VOL: 2024-IV HTTPS://MPBOU.EDU.IN

"भारत के लिए भारत का सामाजिक विज्ञान"
नई शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन
दिनांक: 22 एवं 23 नवंबर, 2024

उन्होंने यह भी कहा कि, भगवत गीता में मनुष्य की सभी इन्द्रियों के बारे में विस्तार से विवरण दिया गया है। उनने बताया कि, एक प्रकार से देखा जाए तो बुद्धि के भी ऊपर अंतरात्मा को स्थान दिया गया है। हम इस तरह के संवाद से पूरे भारत का दृष्टिकोण बदल सकते हैं और समाजशास्त्री को अपनी चिंतन और मनोभावों से परिचित करा सकते हैं और शायद इसके बाद हमारे भारत का समाज विज्ञान बहुत जल्दी और मजबूत बन सकता है। डॉ. कृष्ण ने यह भी कहा कि, काल क्रम में हम यह देख पा रहे हैं कि, कास्ट विभाजन कैसे हुआ। उन्होंने भारत के आर्थिक प्रणाली पर भी ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि, हमारी आर्थिक प्रणाली बहुत दुरुस्त है परन्तु फिर भी हम इसे छोड़ पश्चिम की ओर बढ़ रहे हैं और उन्हें बढ़ा रहे हैं। उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि, अगर इस तरह की उद्देश्यपूर्ण कार्यशालाओं का आयोजन होता रहेगा और ऐसे सफल होते रहेंगे तो बहुत जल्द हम भारत का समाजशास्त्र तैयार करने में सफल होंगे। ऐसे अनेक बिन्दुओं पर डॉ. कृष्ण ने प्रकाश डाला और अपने विचार सभागार में उपस्थित अतिथियों के साथ साझा किए।

"भारत के लिए भारत का सामाजिक विज्ञान"
नई शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन
दिनांक: 22 एवं 23 नवंबर, 2024

उद्घाटन सत्र के अंत के पश्चात तकनीकी सत्र आरंभ हुआ जिसमें प्रथम सत्र की अध्यक्षता डॉ. प्रो. विग्नेश भट्ट द्वारा की गई। इस सत्र में विभिन्न प्रतिभागियों ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किया। सभी ने भारतीय ज्ञान परंपरा और नई शिक्षा नीति के अंतर्गत हो रहे पाठ्यक्रम में परिवर्तन पर अपना मत रखा।

डॉ आरती श्रीवास्तव ने कहा कि, अगर हमें भारतीय ज्ञान परंपरा को पूर्ण रूप से सफल बनाना है तो इसका बीज हमें स्कूल शिक्षा में ही डालना होगा। उनका मत है कि अगर हम स्कूल स्तर पर ही बच्चों को भारतीय सभ्यता और भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ें तो कॉलेज में आकर उन्हें इन बातों को समझने में और आसानी होगी। हम आज जो भारतीय ज्ञान परंपरा पर तैयारी कर रहे हैं वह पूर्ण रूप से तभी सफल होगी जब हम इसे बचपन से ही बच्चों को समझाएं।

"भारत के लिए भारत का सामाजिक विज्ञान"
नई शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन
दिनांक: 22 एवं 23 नवंबर, 2024

डॉ माधवी लता दुबे ने अपने विचार में कहा कि अलग-अलग धर्म से ज्ञान प्राप्त करने पर व्यक्ति के मन में मिला-जुला भाव निकल कर आता है ठीक उसी प्रकार भारतीय ज्ञान परंपरा में भी. सभी प्रकार का ज्ञान सम्मिलित करना आवश्यक है।

इसी क्रम में डॉ. शारदा गर्ग ने कहा कि पिछले 30 से 40 वर्षों से हम लगातार अपने बच्चों को अंग्रेजी स्कूलों में शिक्षा प्राप्त करने के लिए भेज रहे हैं जहां उन्हें ज्ञान तो प्राप्त होता है परंतु भारतीय ज्ञान परंपरा का महत्व नहीं मिलता। अगर हमें बच्चों में भारतीय विचारधारा लाना है तो इसे हमें अपने घर से ही शुरू करना होगा बाल्यावस्था में ही हमें बच्चों में भारतीय विचारों और परंपराओं का समावेश करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि एक समाजशास्त्र का व्यक्ति कभी भी आत्महत्या नहीं कर सकता क्योंकि वह समाज की हर एक चीजों से व्यक्तिगत रूप से जुड़ा होता है और ऐसा व्यक्ति कभी भी आत्महत्या नहीं कर सकता।

"भारत के लिए भारत का सामाजिक विज्ञान"
नई शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन
दिनांक: 22 एवं 23 नवंबर, 2024

तकनीकी सत्र दो की भी अध्यक्षता डॉ विग्नेश भट्ट द्वारा की गई। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों और विशेषज्ञों को अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया एवं उनकी बातों को यथा संभव उपयोग में लाने के लिए भी आश्वस्त किया।

इसके अतिरिक्त सत्र में अन्य प्रतिभागियों ने भी अपने-अपने विचार भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत समाजशास्त्र में लाने योग्य बदलाव पर विचार व्यक्त किए।

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)

E-NEWS LETTER

OCTOBER - DECEMBER

VOL: 2024-IV

HTTPS://MPBOU.EDU.IN

"भारत के लिए भारत का सामाजिक विज्ञान"
नई शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन
दिनांकः 22 एवं 23 नवंबर, 2024

"भारत के लिए भारत का सामाजिक विज्ञान"
नई शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन
दिनांक: 22 एवं 23 नवंबर, 2024

"भारत के लिए भारत का सामाजिक विज्ञान"
नई शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन
दिनांक: 22 एवं 23 नवंबर, 2024

उद्घाटन सत्र के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुशील मंडेरिया द्वारा सदन में उपस्थित सभी अतिथियों एवं समस्त भोज परिवार का आभार व्यक्त करते हुए दो दिवसीय कार्यशाला की सफलता के लिए शुभकामनाएं भी दी। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय की निदेशक डॉ. अनीता कौशल द्वारा किया गया। इस अवसर पर ऑनलाइन ऑफलाइन पंजीकृत सभी प्रतिभागी एवं समस्त भोज परिवार कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की ओर से प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गये।

संविधान दिवस दिनांकः 25/11/2024 कार्यक्रम का आयोजन

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल में दिनांक: 25/11/2024 को संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अनिल पारे, सेवानिवृत, जिला एवं सत्र न्यायाधीश उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. संजय तिवारी, कुलगुरु, मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय ने की। साथ ही कार्यक्रम संयोजक एवं विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया भी कार्यक्रम में शामिल रहे।

कार्यक्रम में विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ. रतन सूर्यवंशी ने कहा कि, भारतीय संविधान हमारा गौरव है, हमारा स्वाभिमान है। संविधान दिवस हर वर्ष 26 नवंबर को मनाया जाता है और इसी उपलक्ष्य में हमने बहुत ही हर्ष के साथ संविधान दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया है।

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल
(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)
E-NEWS LETTER
OCTOBER - DECEMBER
VOL: 2024-IV
HTTPS://MPBOU.EDU.IN

संविधान दिवस दिनांक: 25/11/2024 कार्यक्रम का आयोजन

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व न्यायाधीश डॉ. अनिल पारे ने अपने उद्बोधन में संविधान निर्माण की पृष्ठभूमि को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि, संविधान की मूल आत्मा उसकी प्रस्तावना है। भारतीय संविधान भारतीय जीवन मूल्यों से अनुप्राणित है। डॉ. पारे ने अपने शब्दों को गायत्री मंत्र के साथ सम्मिलित किया। उन्होंने कहा जिस प्रकार हम अपने कष्टों को दूर करने, दु:खों को त्यागने और सुखों की प्राप्ति के लिए ईश्वर के दरवाज़े पर घंटी बजाते हैं ठीक उसी प्रकार संविधान से भी नाता हर एक भारतीय का है। उन्होंने विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से विद्वत्तापूर्ण व्याख्या की ।

डॉ. पारे में 15 अगस्त 1947 के तुरंत बाद स्वतंत्रता सेनानियों के मध्य उत्पन्न चिंता और उसपे चिंतन को विस्तार से सरल वाक्यों में सभा के समझाया और बताया कि, किस प्रकार आजादी के बाद विचार विमर्श करके विभिन्न देशों के संविधानों का अध्ययन कर भारत के लिए उत्कृष्ट संविधान बनाया। जिसमें 2 साल 11 महीने और 18 दिन का वक्त लगा। इसके बाद देश के संविधान की रचना पूर्ण हुई और 26 नवंबर 1949 को देश का संविधान तैयार हुआ।

संविधान दिवस दिनांक: 25/11/2024 कार्यक्रम का आयोजन

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. संजय तिवारी ने कहा कि, अंबेडकर जी ने कहा था कि, संविधान हमें अपनी सीमाओं के बारे में बताता है। हमें अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों को भी समझना चाहिए। 1940 से 1949 तक का समय बहुत ही मनमानियों से भरा था उस दौरान सभी अपने अपने हिसाब से चल रहे थे। कोई नियम कायदा बताने वाला नहीं था। उन्हें नंदलाल बोस जो कि एक महान चित्रकार थे उनका एक किस्सा उदाहरण के साथ बताया। नंदलाल बोस ने संविधान को भी अपनी चित्रकारी में उकेरा था। प्रो. तिवारी ने कहा कि, संविधान सबको स्वतंत्रता देता है कि सबके साथ सबका विकास हो। अंत में उन्होंने कहा कि, बच्चे देश का भविष्य हैं, और उनकी रुचि जानके उन्हें उसी राह पर उभरने के लिए प्रोत्साहित करें।

संविधान दिवस दिनांक: 25/11/2024 कार्यक्रम का आयोजन

संविधान दिवस के इस आयोजन पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ सुशील कुमार मंडेरिया ने भी आभार प्रदर्शन के पूर्व अपने विचार सदन में साझा किए। उन्होंने कहा कि, भारत एक राष्ट्रपुरुष है। हम बहुत भाग्यशाली हैं कि हमारे भारत का संविधान तैयार करने के लिए इतनी कड़ी मेहनत की गई और आज हमारे भारत का संविधान हमारा गौरव है।

इस अवसर पर प्रोफेसर ऑफ़ प्रेक्टिस पूर्व आईपीएस अधिकारी श्री बी. बी. शर्मा द्वारा भी विचार व्यक्त किये गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायाधीश डॉ. अनिल पारे ने सभा में उपस्थित सभी सदस्यों को संविधान के प्रस्तावना की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. रतन सूर्यवंशी द्वारा किया गया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी शिक्षक व कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

विश्व दिव्यांगता दिवस कार्यक्रम का आयोजन
दिनांक: 05 दिसम्बर 2024

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में दिनांक 05 दिसम्बर 2024 को विश्व दिव्यांगता दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शीर्षक था समावेशी और सतत भविष्य के लिए दिव्यांग जनों के नेतृत्व कौशल में वृद्धि । इस कार्यक्रम का आयोजन मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा विभाग द्वारा किया गया।

विश्व दिव्यांगता दिवस कार्यक्रम का आयोजन
दिनांक: 05 दिसम्बर 2024

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर विजेंदर सिंह मनोचिकित्सक एवं विभाग अध्यक्ष मनोचिकित्सा विभाग एम्स भोपाल, ने कहा कि जानकारी का अभाव दिव्यांगजनों और उनके पालकों की सबसे बड़ी समस्या है । उन्होंने कहा कि दिव्यांगता में उसव्यक्ति का कोई दोष नहीं है। वह भी इसी समाज का अभिन्न अंग है। हमें उसे बिना किसी शर्त के स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस समाज में मंदबुद्धिता के बारे में कई भ्रांतियां हैं। मानसिक रोग को दवाइयां से ठीक किया जा सकता है किंतु मंदबुद्धिता दवाइयां से ठीक नहीं होती है। सबसे पहले तो परिवार के लोगों को यह स्वीकार करना चाहिए कि बच्चा मंदबुद्धि है। समाज को भी दिव्यांगजनों को समानता के भाव से देखना चाहिए । उन्होंने कहा कि अक्सर हमारे समाज में मंदबुद्धि बच्चों को भेदभाव और कलंक की भावना से देखा जाता है । मानसिक रोग का इलाज करने से वह व्यक्ति सामान्य हो सकता है।

विश्व दिव्यांगता दिवस कार्यक्रम का आयोजन
दिनांक: 05 दिसम्बर 2024

कार्यक्रम के सम्मानित अतिथि दिव्यांगजन विभाग के कमिश्नर श्री संदीप रजक ने कहा कि मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय विशेष शिक्षा के लिए देश का एक ख्यात नाम संस्थान बन गया है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के प्रति अधिक कार्य करने की आवश्यकता है । दिव्यांगता 21 प्रकार की होती है। कुछ दिव्यांगता दिखाई देती है लेकिन कुछ प्रकार की दिव्यांगता दिखाई नहीं देती हैं । उसकी पहचान आवश्यक है । उन्होंने कहा कि अभिभावकों और जनमानस तथा जनप्रतिनिधियों में दिव्यांग जनों के प्रति जागरूकता लाने के लिए छोटे-छोटे पाठ्यक्रम को प्रारंभ किए जाने की आवश्यकता है।

विश्व दिव्यांगता दिवस कार्यक्रम का आयोजन
दिनांक: 05 दिसम्बर 2024

कार्यक्रम में उपस्थित सम्मानित अतिथि के रूप में न्यूजीलैंड के बाल मनोचिकित्सक डॉ अशोक अभ्यंतर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत में दिव्यांग जनो की संख्या लगभग दो से ढाई प्रतिशत है। डॉ अभ्यंकर ने कहा कि दिव्यांगता की पहचान करना और उस पर काम करना हमारा उद्देश्य होना चाहिए। इस कार्य में अभिभावकों की जागरूकता उनकी शिक्षा सबसे अहम है । इसके लिए छोटे-छोटे पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाना अति आवश्यक है। जिसे इंटरनेट पर ऑनलाइन पढ़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि बौद्धिक अक्षमता आज सबसे बड़ी समस्या है। इसका निदान संभव है। उन्होंने प्रस्ताव दिया कि अभिभावकों के लिए ऑनलाइन सेमिनार आयोजित किया जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में शोध कार्य के लिए पर्सनल फंडिंग की जा सकती है। इस क्षेत्र में सफलता के लिए कार्य करने वाले लोगों में अभिप्रेरणा का होना सबसे उहत्वपूर्ण कारक होता है। उन्होंने दिव्यांगजनों के संबंध में डॉक्यूमेंटेशन पर जहुत अधिक बल दिया। उन्होंने कहा कि पुनर्वास में दिव्यांगजनों के स्ट्रेंथ बेस प्लानिंग होनी चाहिए। डॉ अभ्यंकर ने कहा कि भारत सरकार के कुछ संस्थान मुफ्त में जेनेटिक टेस्टिंग करते हैं। हमें इसका लाभ लेना चाहिए।

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल

(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)

E-NEWS LETTER

OCTOBER - DECEMBER

VOL: 2024-IV HTTPS://MPBOU.EDU.IN

तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक: 10 से 12 दिसंबर 2024
Graduate Employability in Open University
A Stakeholders' Consultative Workshop

Invitation

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL, INDIA

Accredited with Grade 'A' by NAAC

In collaboration with

COMMONWEALTH OF LEARNING, VANCOUVER, CANADA

&

COMMONWEALTH EDUCATIONAL MEDIA CENTRE FOR ASIA (CEMCA), NEW DELHI, INDIA

Cordially invites you to

THREE-DAY WORKSHOP

on

GRADUATE EMPLOYABILITY IN OPEN UNIVERSITIES:

A STAKEHOLDERS' CONSULTATIVE WORKSHOP

Date : 10 th - 12 th December, 2024 Time : 5:00 PM

Venue: Conference Hall, MPBOU, Bhopal

Chief Guest

Shri Inder Singh Parmar

Hon'ble Minister, Higher Education, Technical Education & AYUSH Department, Govt. of Madhya Pradesh

Esteemed Guest

Prof. Chandra Charu Tripathi

Director, NITTTR, Bhopal

Distinguished Guest

Prof. Sharanappa V. Halse

Hon'ble Vice-Chancellor, KSOU, Mysuru

Chief Patron

Prof. (Dr.) Sanjay Tiwari

Hon'ble Vice-Chancellor, MPBOU, Bhopal

Patron

Dr. B. Shadrach

Director, CEMCA, New Delhi

Convener

Dr. Sushil Manderia

Registrar

MPBOU, Bhopal

तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांकः 10 से 12 दिसंबर 2024
Graduate Employability in Open University
A Stakeholders' Consultative Workshop

तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांकः 10 से 12 दिसंबर 2024 को मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, कॉमन वैल्थ ऑफ लर्निंग, कनाडा एवं कॉमन वैल्थ एजुकेशन मीडिया सेंटर फॉर एशिया, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया।

तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक: 10 से 12 दिसंबर 2024
Graduate Employability in Open University
A Stakeholders' Consultative Workshop

कार्यशाला में भारत के 16 मुक्त विश्वविद्यालयों के प्राध्यापक एवं अधिकारीगण ने हिस्सा लिया। इस कार्यशाला में ऑस्ट्रेलिया, कनाडा समेत अन्य देशों के विशेषज्ञ भी ऑनलाइन जुड़े। समापन अवसर में उपस्थित अन्य अतिथियों में विशेषज्ञ डॉ. ओ. पी. गोयल, सेवानिवृत सलाहकार, NSDC, नई दिल्ली, मंचासीन रहे। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव और कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुशील मंडेरिया द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल

(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)

E-NEWS LETTER

OCTOBER - DECEMBER

VOL: 2024-IV

HTTPS://MPBOU.EDU.IN

तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक: 10 से 12 दिसंबर 2024

Graduate Employability in Open University

A Stakeholders' Consultative Workshop

विद्यार्थियों में रोजगार हेतु आवश्यक गुणों का विकास मुक्त विश्वविद्यालयों की प्राथमिकता होना चाहिए : प्रो. त्रिपाठी

तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक: 10 से 12 दिसंबर 2024
Graduate Employability in Open University
A Stakeholders' Consultative Workshop

मुख्य अतिथि माननीय उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार द्वारा 3 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन अवसर पर उद्बोधन देते हुए कहा कि, रोजगार कौशल विकास संबंधी कार्यशाला के माध्यम से देश के युवाओं की समस्याओं का समाधान करने की दिशा में ठोस कदम रखा जाएगा ऐसी आशा है। श्री परमार ने कहा कि, भारत विविधताओं का देश है, रोजगार संबंधी स्थानीय समस्याओं के लिए स्थानीय समाधान खोजे जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि, हमें अपने स्नातकों को नौकरी देने के साथ-साथ उनमें मानवीय मूल्यों के विकास के लिए भी प्रयास करना होगा।

उन्होंने आजकल के युवाओं में गिरते मूल्यों के बारे में चिंता व्यक्त की। श्री परमार ने कहा कि, सहयोग और कृतज्ञता की भावना भारत को दुनिया से अलग करती हैं। हमारे विद्यार्थियों में देशभक्ति, समाज के प्रति जवाबदारी और प्रकृति के प्रति जवाबदारी की भावना होना अत्यंत आवश्यक है और यह काम हमारे शिक्षण संस्थाओं का प्रथम लक्ष्य होना चाहिए।

तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक: 10 से 12 दिसंबर 2024
Graduate Employability in Open University
A Stakeholders' Consultative Workshop

इस अवसर पर CEMCA के डायरेक्टर एवं संरक्षक डॉ. बी शैड्रक ने कार्यशाला के उद्देश्य और तीन दिवस में की गई कार्यवाहियों से अवगत कराया। मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलगुरु एवं इस कार्यशाला के प्रमुख संरक्षक प्रो. संजय तिवारी ने मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन और भारतीय ज्ञान परंपरा तथा मूल्य आधारित शिक्षा के संबंध में मध्य प्रदेश में किया जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि, इस कार्यशाला के माध्यम से हमने शिक्षा जगत और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से आपस में चर्चा कर किस प्रकार कौशल विकास के पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय चालू करें इस पर एक ठोस कार्यवाही प्रस्तावित की है।

तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक: 10 से 12 दिसंबर 2024
Graduate Employability in Open University
A Stakeholders' Consultative Workshop

इस अवसर पर तमिलनाडु ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एस. अरुगम ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें रोजगार पाने लायक कौशलों का विकास करना है तो हमारी पाठ्यचर्या को लगातार उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुसार अपडेट करते रहना होगा। छोटे-छोटे कौशल आधारित पाठ्यक्रम इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस अवसर पर डायरेक्टर CEMCA, कुलपति तमिलनाडु ओपन विवि, डॉ गोयल एवं अन्य प्रतिभागियों से आयुक्त उच्च शिक्षा, मध्य प्रदेश शासन श्री निशांत वरबड़े द्वारा भी विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यशाला के अंत में भारत के विभिन्न मुक्त विश्वविद्यालयों से आए प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किए गए।-कार्यशाला का संचालन मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. रतन सूर्यवंशी द्वारा किया गया।

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल

(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)

E-NEWS LETTER

OCTOBER - DECEMBER

VOL: 2024-IV

HTTPS://MPBOU.EDU.IN

राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन
दिनांक: 20 दिसंबर 2024

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में दिनांक: 20 दिसंबर 2024 राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसमें प्रख्यात गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जीवन के बारे में प्रकाश डाला गया तथा जीवन में गणित के महत्व पर चर्चा की गई 1 इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उच्च शिक्षा उत्कृष्ट संस्थान में गणित के प्रोफेसर डॉ सभाकांत द्विवेदी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन
दिनांक: 20 दिसंबर 2024

प्रोफेसर डॉ सभाकांत द्विवेदी ने अपने उद्बोधन में कहा की मानव मस्तिष्क में प्रमुखता से तीन प्रकार के विचार आते हैं। पहले विचार गणितीय विचार, दूसरा कलात्मक विचार और तीसरा वैज्ञानिक विचार है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे आपके कथन में संख्याएं आना शुरू होती हैं आपका कथन प्रमाणिक होने लगता है । आप जो भी कम करें उसमें संख्याओं के इस्तेमाल की आदत डालना चाहिए 1 गणित अमूल्य है। डॉ. द्विवेदी ने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति में जीवन के लिए सांस लेना, भोजन और स्वतंत्रता आवश्यक मानी गई हैं लेकिन पूर्व की संस्कृति में जीवन के लिए हवा, भोजन स्वतंत्रता के साथ-साथ गणित का होना भी आवश्यक माना गया है। उन्होंने कहा कि पूर्वी जीवन मूल्यों में यह निहित है कि हमारी स्वतंत्रता तभी तक है जब तक की दूसरे की स्वतंत्रता बाधित न हो । उन्होंने सभागार में उपस्थित विद्यार्थियों से कहा कि आप श्रीनिवास रामानुजन से प्रेरणा लेकर खुद अपना विकास करें।

राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन
दिनांक: 20 दिसंबर 2024

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉक्टर सुशील मंडेरिया ने कहा कि गणित दिवस के अवसर पर हमें मध्य प्रदेश में उज्जैन में कायथा में 16वीं शताब्दी में जन्मे प्रख्यात गणितज्ञ वराह मिहिर को अवश्य याद करना चाहिए। उनका शुमार भारत के महान गणितज्ञ में होता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ रतन सूर्यवंशी निदेशक मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र भोपाल के विद्यार्थी शिक्षक गण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

Institution's Innovation council (IIC)
I st Quarterly Council Meeting
दिनांक: 23 दिसंबर 2024

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल में IIC की आंतरिक I Quarterly Council बैठक का आयोजन माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में दिनांक 23/12/2024 अपरान्ह् 12:00 बजे बोर्ड रूम में आयोजित की गई है।

Institution's Innovation council (IIC)
I st Quarterly Council Meeting
दिनांक: 23 दिसंबर 2024

बैठक में इंक्यूबेशन सेंटर से संबंधित आगामी कार्यक्रम, नवाचार एवं भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई तथा सभी प्रतिभागियों ने अपने-अपने विचार साझा किये।

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल

(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)

E-NEWS LETTER

OCTOBER - DECEMBER

VOL: 2024-IV

HTTPS://MPBOU.EDU.IN

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् भोपाल एवं विज्ञान भारती के सहयोग से 11वां प्रौद्योगिकी मेला दिनांक: 27 से 30 दिसम्बर, 2024 जम्बूरी मैदान, भोपाल में आयोजन

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्, भोपाल एवं विज्ञान भारती के सहयोग से 11 वां प्रौद्योगिकी मेले का आयोजन दिनांक 27 से 30 दिसम्बर, 2024 को जम्बूरी मैदान, भोपाल में किया गया।जिसमें मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल के स्टॉल पर भारी मात्रा में छात्र- छात्राओं तथा अभिभावकों ने उपस्थिति दर्ज कराई।

विज्ञान भारती के प्रान्त सचिव श्री संजय सिंह कौरव जी ने मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल को सफल आयोजन के लिये शुभकामनाएं दी।

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल

(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)

E-NEWS LETTER

OCTOBER - DECEMBER

VOL: 2024-IV

HTTPS://MPBOU.EDU.IN

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् भोपाल एवं विज्ञान भारती के सहयोग से 11वां प्रौद्योगिकी मेला दिनांक: 27 से 30 दिसम्बर, 2024 जम्बूरी मैदान, भोपाल में आयोजन